RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2023-2024

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक- 15 | भीलवाड़ा, सोमवार, 13 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ-04 | मूल्य-04 रूपये

प्रधानमंत्री मोदी ने 947 करोड़ रुपये की पशुपालन और डेयरी परियोजनाओं का किया शुभारंभ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते शनिवार को दिल्ली में भारत के पशुपालन और डेयरी क्षेत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से 947 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया और 219 करोड़ रुपये की अतिरिक्त परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन पहलों को कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों में निवेश के व्यापक पैकेज का हिस्सा बताया गया है। इसी अवसर पर प्रधानमंत्री ने दो महत्वपूर्ण कृषि योजनाओं -प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PM-DDKY) और मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेज की भी शुरुआत की।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि "प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना हमारे पशुधन पर भी विशेष ध्यान दे रही है। अब तक 125 करोड़ से अधिक टीके फुट एंड माउथ डिजीज जैसी बीमारियों से बचाव के लिए मुफ्त लगाए जा चुके हैं। इससे पशु स्वस्थ हुए हैं और किसानों की चिंताएं कम हुई हैं। इस योजना के तहत अब स्थानीय स्तर पर पशु स्वास्थ्य से संबंधित अभियान भी शुरू किए जाएंगे।" उन्होंने आगे कहा कि जहां खेती संभव नहीं है वहां पशुपालन, मत्स्य पालन और मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाई जाएगी, जिससे छोटे और भूमिहीन परिवार भी आत्मनिर्भर बन सकें। इस अवसर पर उत्तर-पूर्वी क्षेत्र को उसकी पहली पशुधन आईवीएफ (IVF) प्रयोगशाला मिली, जिसकी स्थापना असम के गुवाहाटी में राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) के तहत 28.93 करोड़ रुपये की लागत से की गई है। यह प्रयोगशाला दुग्ध विकास और नस्ल सुधार के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD) के तहत कई बड़े डेयरी प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया गया। इनमें मेहसाणा मिल्क यूनियन की 120 मीट्रिक टन प्रतिदिन की मिल्क पाउडर प्लांट और 3.5 लाख लीटर प्रतिदिन की यूएचटी प्लांट, जिसकी लागत 460 करोड़ रुपये है; इंदौर मिल्क यूनियन की 30 टन प्रतिदिन की मिल्क पाउडर प्लांट (76.50 करोड़ रुपये); भीलवाड़ा मिल्क यूनियन की 25,000 लीटर प्रतिदिन की यूएचटी प्लांट (46.82 करोड़ रुपये); और तेलंगाना के करीमनगर जिले के नुसतुलापुर में 25.45 करोड़ रुपये की लागत से विकसित ग्रीनफील्ड डेयरी प्लांट शामिल हैं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के कुप्पम मंडल में एकीकृत डेयरी प्लांट और 200 टीपीडी कैटल फीड प्लांट की आधारशिला रखी गई, जिसकी कुल लागत 219 करोड़ रुपये है।

पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (AHIDF) के तहत 303.81 करोड़ रुपये की 10 परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया गया, जिससे देश में पशु आहार, दूध और पशु उत्पाद प्रसंस्करण की क्षमता बढ़ेगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के 2,000 नए प्रशिक्षित मैत्री को प्रमाणपत्र प्रदान किए, जो राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत पशु प्रजनन सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने में सहायक होंगे। पूरे देश में अब तक 38,000 से अधिक मैत्री कार्यरत हो चुके हैं, जिससे कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं का विस्तार और पशुधन की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इन पहलों से सरकार का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और कृषि-संबद्ध क्षेत्रों के सतत विकास के माध्यम से पोषण और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

बंगाल के बर्धमान रेलवे स्टेशन पर भगदड़ जैसे हालात, 6 यात्री घायल

▪ स्मार्ट हलचल

बर्धमान रेलवे स्टेशन पर रविवार को भारी भीड़ के चलते भगदड़ जैसे हालात पैदा हो गए. हादसे में 6 लोग घायल हैं, लेकिन रेलवे तीन घायलों का दावा कर रहा है. ये हादसा तब हुआ जब यात्री 4 और 6 नंबर प्लेटफॉर्म के बीच फुटओवर ब्रिज की ओर भागे, तभी ब्रिज की संकरी सीढ़ियों पर भीड़ बढ़ गई और कई यात्री नीचे गिर गए.

पश्चिम बंगाल के बर्धमान रेलवे स्टेशन पर रविवार शाम को यात्रियों की भारी भीड़ के कारण भगदड़ जैसे हालात बन गए. हादसे में 6 यात्री घायल हुए हैं. घायलों को तुरंत बर्धमान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ले जाया गया. हालांकि रेलवे सिर्फ 3 यात्रियों के घायल होने का दावा कर रहा है.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ये हादसा तब हुआ जब प्लेटफॉर्म 4, 6 और 7 पर लगभग एक ही समय में तीन ट्रेनें खड़ी थीं. ट्रेन पकड़ने की जल्दबाजी में यात्री प्लेटफॉर्म 4 और 6 को जोड़ने वाले फुटओवर ब्रिज की ओर दौड़े.

इस हादसे पर ईस्टर्न रेलवे का बयान सामने आया है. रेलवे ने कहा कि रविवार शाम को बर्धमान स्टेशन के फुटओवर ब्रिज से प्लेटफार्म 4 की ओर जा रही एक महिला फुटओवर ब्रिज की सीढ़ियों पर संतुलन खो बैठी और गिर गई. महिला के गिरने के बाद, उनके आसपास खड़े कुछ यात्रियों का भी संतुलन बिगड़ गया और वे भी गिर पड़े.

प्लेटफार्म पर तैनात आरपीएफ और रेलवे कर्मचारियों ने तुरंत उनका इलाज किया. घटनास्थल पर रेलवे के डॉक्टर भी मौजूद थे. घायल 3 लोगों को इलाज के लिए बर्धमान मेडिकल कॉलेज भेजा गया है. रेलवे ने कहा कि स्टेशन पर कोई भगदड़ नहीं हुई और भीड़ सामान्य थी. घायल हुए 3 लोगों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है.

बिहार: NDA में सीट शेयरिंग का हुआ ऐलान

जानें BJP-JDU समेत किस पार्टी को मिली कितनी सीट

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए में सीट शेयरिंग का ऐलान कर दिया गया है। इसमें बीजेपी को 101 सीटें जबकि जेडीयू को भी 101 सीटें मिली हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सीट बंटवारे का ऐलान हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडीयू और बीजेपी ने 101-101 बराबर सीटें अपने पास रखी हैं। वहीं, चिराग पासवान की लोजपा रामविलास को 29 सीटें मिली हैं। उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 6 और जीतनराम मांझी की हम (हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा) को भी 6 सीटें मिली हैं। एनडीए में कई राउंड की बैठकों के बाद यह फॉर्मूला निकला है। बिहार में विधानसभा चुनाव का ऐलान कर दिया गया है। दो चरणों में होने वाले चुनाव से पहले एनडीए में सीट शेयरिंग को लेकर तमाम बैठकें चल रही थीं। इस बीच आज रविवार को एनडीए में सभी दलों ने मिलकर सीट शेयरिंग पर फार्मूला तय कर लिया। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए एनडीए की सीट शेयरिंग का फार्मूला बताया। उन्होंने एनडीए में हुई सीट शेयरिंग का एक्स पर ऐलान किया है। इसमें बीजेपी को 101 सीटें, जबकि जेडीयू को भी 101 सीटें मिली हैं।

चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'हम एनडीए के साथियों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में सीटों का वितरण पूर्ण किया। BJP-101, JDU-101, LJP (R)-29, RLM-06 और HAM-06; एनडीए के सभी दलों के कार्यकर्ता और नेता इसका हर्षपूर्वक स्वागत करते हैं। बिहार है तैयार, फिर से एनडीए सरकार।'

सभी दलों ने जताई सहमति

बता दें कि बिहार में इस बार दो चरणों के तहत विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। एनडीए में बीजेपी और अन्य घटक दलों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर कई दिनों से लगातार बैठकों का दौर जारी था, जो आज समाप्त हुआ। फिलहाल बीजेपी और जेडीयू को 101-101 सीटें मिली हैं। इसके अलावा लोजपा (रामविलास) को 29, RLM को 06 और HAM को भी 06 सीटें मिली हैं। सीट शेयरिंग के बाद सभी दलों के प्रमुख नेताओं ने इस पर सहमति जताई है।

बिहार चुनाव में एनडीए

सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देने के साथ ही एनडीए के सहयोगी अब 6 और 11 नवंबर, 2025 को होने वाले दो चरणों के चुनावों से पहले उम्मीदवारों के चयन और अपने अभियान शुरू करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भाजपा और जद(यू) दोनों ही सबसे ज़्यादा विधानसभा सीटों के लिए प्रमुख दावेदार हैं, जबकि छोटे सहयोगी अपने-अपने आवंटित निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने का लक्ष्य बना रहे हैं। बिहार में सत्ता हासिल करने की उनकी कोशिश में एनडीए का मजबूत संगठनात्मक आधार और एकजुट रणनीति एक बड़ी ताकत मानी जा रही है।

बिहार एनडीए में सीट शेयरिंग होने के बाद अब घटक दलों की कैंडिडेट लिस्ट आना शुरू हो जाएगी। भाजपा में उम्मीदवारों के नाम लगभग फाइनल हो चुके हैं, रविवार शाम को दिल्ली में हो रही पार्टी के केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में इस पर मुहर लगा दी जाएगी।

वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में भी कैंडिडेट फाइनल हो चुके हैं। लोजपा (रामविलास) ने भी कल कहा था कि एनडीए में सीट बंटवारा होने के बाद चिराग पासवान कैंडिडेट लिस्ट जारी कर देंगे।

पहाड़ से लेकर मैदानों तक ठंड की आहट, तापमान में गिरावट से बढ़ेगी ठिठुरन

▪ स्मार्ट हलचल

दिल्ली सहित देश भर में पिछले कुछ दिनों में मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है। हवा में नमी और तापमान में गिरावट महसूस की जा रही है। वहीं बीते दिनों हुई बारिश के बाद मौसम में अचानक बदलाव हुआ है।

अचानक मौसम में हुए बदलाव से यह माना जा रहा है कि इस साल दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में ठंड समय से पहले दस्तक दे सकती है। पिछले हफ्ते श्रीनगर में हुई बर्फबारी ने जम्मू-कश्मीर और मैदानी इलाकों में बारिश ने ठंड बढ़ा दी है।

इस साल समय से पहले दस्तक दे सकती है ठंड

पहाड़ी राज्यों की बात करें तो हिमाचल प्रदेश में पिछले हफ्ते बर्फबारी का सिलसिला जारी रहा और निचले इलाकों में बारिश भी हुई, जिसके चलते हिमाचल और पंजाब में तापमान में गिरावट देखने को मिली। दिल्ली समिति कई मैदानी राज्यों में अचानक मौसम बदलने से तापमान में गिरावट की वजह से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इस साल ठंड समय से पहले दस्तक दे सकती है।

पहाड़ी इलाकों में शीत लहर और बर्फबारी का अनुमान

आईएमडी के अनुसार, ला नीना के कारण भारत के कई हिस्सों में खासकर उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है। पहाड़ी इलाकों में शीत लहर और बर्फबारी भी बढ़ सकती है। आईएमडी ने अक्टूबर में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान लगाया है।

तापमान में गिरावट से बढ़ेगी ठिठुरन

आने वाले दिनों में सामान्य से अधिक तेज हवाएं चलेंगी, जिसका सीधा असर ठंड पर पड़ेगा। यह तापमान में गिरावट के साथ ठिठुरन को भी बढ़ाएगी।

कांग्रेस नेता पर तलवार और फायरिंग से हमला, आरोपी गिरफ्तार

10 घंटे में खुला पूरा राज़, पुरानी रंजिश में रचा गया था हमला

▪ स्मार्ट हलचल / भीलवाड़ा

शनिवार शाम कोतवाली थाना क्षेत्र में काबरा की दुकान के बाहर हुए हमले से हड़कंप मच गया। यहां हलेड के पूर्व सरपंच और कांग्रेस नेता हरफूल जाट पर तलवार और देसी कट्टे से हमला कर दिया गया। वारदात इतनी अचानक हुई कि आस-पास के दुकानदारों ने दहशत में अपने शटर बंद कर लिए। पुलिस के अनुसार, यह हमला पुरानी रंजिश और बदले की भावना के चलते किया गया था। इस सनसनीखेज मामले

को कोतवाली थाना पुलिस ने सिर्फ 10 घंटे में गिरफ्तार कर लिया।

पहले हुई थी मारपीट, फिर बनी साजिश

जानकारी के मुताबिक, कुछ समय पहले कांग्रेस नेता हरफूल जाट और भाजपा नेता बालूलाल आचार्य के बीच विवाद हुआ था। उस समय जाट और उनके समर्थकों ने बालूलाल से मारपीट की थी। इसी घटना का बदला लेने के लिए अक्षय आचार्य ने अपने पिता बालूलाल और अन्य साथियों के साथ मिलकर हमले की पूरी योजना बनाई। शनिवार शाम जब हरफूल जाट काबरा की दुकान पर अकेले पहुंचे, तब आरोपियों ने मौका पाकर वारदात को अंजाम दिया। गोपाल और मनीष ने तलवार से हमला किया, जबकि अक्षय ने देसी कट्टे से फायरिंग की और सभी आरोपी वहां से फरार हो गए। घटना के दौरान दुकानदारों ने बीच-बचाव करते हुए हरफूल जाट को बचाया, जिससे हमलावरों को भागना पड़ा।

घायल नेता को हायर सेंटर रेफर

गंभीर रूप से घायल जाट को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही एसपी धर्मेंद्र सिंह, सीओ सिटी मनीष बडगुजर और कोतवाल गजेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, नाकाबंदी करवाई और अलग-अलग टीमों को रवाना किया। पुलिस जांच में सामने आया कि हमला करने के बाद गोपाल, मनीष और घनश्याम रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां से घनश्याम ने दोनों को स्कूटी पर बैठाकर पासल चौराहे तक पहुंचाया। वहां अक्षय अपनी कार लेकर आया और तीनों को लेकर अजमेर की ओर भाग गया। इस बीच पुलिस को अक्षय की लोकेशन भीलवाड़ा में ही मिली। पूछताछ में उसने बताया कि बाकी आरोपी किशनगढ़ के पास हैं। सूचना पर जयपुर रवाना हुई पुलिस टीम ने चारों ओर नाकाबंदी की और अंततः किशनगढ़ टोल के आगे सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का बयान

एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि यह मामला व्यक्तिगत रंजिश और बदले की भावना से जुड़ा है। आरोपियों से पूछताछ जारी है तथा उनके पास से हथियार भी बरामद किए जा रहे हैं।

ये थे टीम में शामिल

गठित टीम में अशोक कुमार सउनि थाना कोतवाली, आशीष मिश्रा सउनि साईबर सैल, सत्यकाम सउनि थाना सिटी कोतवाली, कालूराम धायल हैड कांस्टेबल डीएसटी टीम, चन्द्रपाल सिंह हैड कांस्टेबल साईबर सैल, दीपक हैड कांस्टेबल साईबर सैल, सत्यनारायण हैड कांस्टेबल, साईबर सैल, किशोर हैड कांस्टेबल साईबर सैल, विजेन्द्र हैड कांस्टेबल थाना सिटी कोतवाली भीलवाडा,डीएसटी टीम भीलवाडा शामिल थे ।

ये हुए गिरफ्तार

बालूलाल आचार्य पुत्र मगनीराम आचार्य उम्र 55 साल निवासी बडे मंदिर के पास हलेड थाना सदर भीलवाडा

2 गोपाल आचार्य पुत्र बालूलाल आचार्य उम्र 30 साल निवासी बडे मंदिर के पास हलेड थाना सदर भीलवाडा

3.अक्षय पुत्र बलदेव आचार्य उम्र 26 साल निवासी बडे मंदिर के पास हलेड थाना सदर भीलवाडा

4. मनीष सालवी पुत्र श्यामलाल सालवी उम्र 23 साल निवासी छोटी नहर के पास मराठा कॉलोनी जवाहरनगर थाना प्रतापनगर भीलवाडा ।

पूर्व सरपंच पर हमला करने वाले आरोपियों की निकाली सार्वजनिक परेड

कांग्रेस नेता हरफूल जाट हमला कांड मामले में पुलिस ने अपराधियो में भय और आमजन में विश्वास वाला काम करके दिखाया है त्वरित कार्यवाही करते हुए पांचों आरोपियों को कुछ घंटो में गिरफ्तार कर लिया । कोतवाली थाना पुलिस ने कार्यवाही को अंजाम दिया । कोतवाल गजेंद्र सिंह ने बताया की रविवार को सरेआम आरोपियों की पैदल परेड करवाई और बीच बाजार में आमजन से माफी मंगवाई । आरोपी अक्षय, गोपाल और मनीष की सार्वजनिक परेड निकाली।

बाइक चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

चितौड़गढ़ की बेगूं थाना पुलिस ने बलवन्तनगर में हुई मोटरसाइकिल चोरी का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर एक मोटरसाइकिल बरामद की है । जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि 02 जून को बलवन्तनगर से रामचन्द्र पुत्र पृथ्वीराज धाकड़ की एक एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल घर के बाहर से अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए थे। रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान एएसआई प्यारेलाल थाना बेगूं के जिम्मे किया गया। एएसपी रावतभाटा भगवतसिंह हिगड़ के निर्देशन एवं डीएसपी बेगूं अंजलि सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी बेगूं शिवलाल मीणा द्वारा एएसआई प्यारेलाल मय जाप्ता टीम गठित की गई। अनुसंधान के दौरान घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें संदिग्ध व्यक्ति दिखा। फुटेज के आधार पर बेगूं, काटूंदा, बस्सी टोल, मेनाल, बिजौलिया, लाडपुरा के कैमरों के फुटेज का विश्लेषण किया गया। संदिग्ध की पहचान कर मुखबिरों की मदद से आरोपी विनोद उर्फ विनोस कंजर पुत्र कालू कंजर निवासी मोतीमगरी बिजयपुर थाना बिजयपुर को डिटेन किया गया। पूछताछ में आरोपी ने मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपी का रिमांड प्राप्त कर पूछताछ जारी है। आरोपी के विरुद्ध चोरी के दो, डकैती के प्रयास का एक एवं अन्य धाराओं के चार प्रकरण दर्ज हैं ।

मुस्लिम प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट दूसरे दिन हुए दो सेमीफाइनल मुकाबले..

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । रविवार को दूसरे दिन मुस्लिम प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रथम सेमीफाइनल मुकाबले में पठान लाला ने प्रतिद्वंदी टीम शाह ब्रदर्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई दूसरे सेमीफाइनल में सिंधी टाइगर टीम ने मंसूरी राइडर्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई । प्रीमियर लीग के मुख्य सरक्षक नूर मोहम्मद खान कायमखानी और आयोजन कर्ता अकरम सिंधी (उर्फ टाइगर)ने बताया कि 13 अक्टूबर 2025 को जीती हुई दोनों टीमों में होगा फाइनल कड़ा मुकाबला ।प्रीमियर लीग के आखिरी दिन सिंधी टाइगर टीम V/S लाला पठान टीम में होगा फाइनल मुकाबला । आखिर कौन ले जाएगा मुस्लिम प्रीमियर लीग का खिताब । रविवार को हुए प्रथम सेमीफाइनल मुकाबले में पठान लाल टीम के शानदार खिलाड़ी फारूक रंगरेज दो विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच रहे वहीं दूसरी तरफ दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में सिंधी टाइगर टीम के बेहतरीन बल्लेबाज अकरम सिंधी उर्फ़ टाइगर और असलम सिंधी दोनों ने अर्धशतक पूरा कर सिंधी टाइगर टीम को फाइनल में पहुंचाया । टूर्नामेंट में बेहतरीन अंपायरिंग करते हुए प्रिंस जाट बालमुकुंद दाधीच मनीष माली जमनेश खटीक अजय सिंह सुरेश वैष्णव उपस्थित रहे साथ ही समाज के वरिष्ठ नागरिक पूर्व पार्षद उस्मान गनी सिलावट युसूफ छिपा रफीक सिंधी इकबाल छीपा सहित समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

4 साल से फरार नकबजनी का आरोपी गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । पुलिस थाना मांडलगढ ने 4 साल से फरार चल रहे नकबजनी के मामले के 5000 रूपये के ईनामी वांछित को गिरफतार किया है । वांछित ईनामी आरोपी जिनेन्द्र कुमार उर्फ जीन्नू सोनी निवासी कुकडेश्वर जिला नीमच को गिरफतार किया है । एसपी धर्मेन्द्र सिह के आदेषानुसार वर्तमान में जिला भीलवाडा मे वाछित अपराधियो की धरपकड हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत पारस जैन अति पुलिस अधीक्षक मुख्यालय भीलवाडा के निर्देषन में व बाबूलाल विष्नोई वृताधिकारी मांडलगढ के सुपरविजन में और घनष्याम मीणा थानाधिकारी थाना मांडलगढ के नेतृत्व में थाना स्तर पर एक पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस के अनुसार मांडलगढ थाने में आरोपी के विरुद्ध नकबजनी का मामला दर्ज था जो चोरी का माल खरीदने में वांछित था जिसकी गिरफतारी के लिए पुलिस अधीक्षक ने 5000 रुपए का ईनाम घोषित किया । गठित टीम ने अथक प्रयास कर आरोपी वांछित को मध्य प्रदेश से गिरफतार किया ।

टेक्सटाइल पार्क को लगे पंख

सांसद अग्रवाल के प्रयासों से राज्य सरकार ने दी 221 करोड़ की मंजूरी

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । जिले की हुरड़ा तहसील के रूपाहेली में प्रस्तावित टेक्सटाइल पार्क के विकास कार्य के लिए बड़ी खबर सामने आई है । सांसद अग्रवाल के अथक प्रयासों से राजस्थान की भजन लाल सरकार ने रिको की ओर से 221 करोड रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की है । गौरतलब है कि साँसद अग्रवाल के चुनावी वादों में टेक्सटाइल पार्क की स्थापना प्रथम स्थान पर थी जिसे पूरा करते हुए भीलवाड़ा वासियो को विकास की दृष्टी सेएक बड़ा तोहफा दिया है। सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि सांसद दामोदर अग्रवाल के विकास कार्य प्रतिदिन एक नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। वस्त्र नगरी भीलवाड़ा को दीपावली के अवसर पर सांसद अग्रवाल ने बड़ी सौगात दी है ।भीलवाड़ा जिले की लाइफ लाइन कही वाली टेक्सटाइल जगत की बहुप्रतीक्षित मांग पर पहले टेक्सटाइल पार्क के लिए 178 हेक्टेयर भूमि का आवंटन करवाया था। अब प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 221 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति विकास कार्यों के लिए देकर टेक्सटाइल को नए पंख लगाए हैं। सांसद दामोदर अग्रवाल ने बताया कि इस स्वीकृति से भीलवाड़ा के विकास को तेजी से गति मिलेगी भीलवाड़ा जिला औद्योगिक दृष्टि से राज्य में ही नहीं पूरे देश में अग्रणी कहलाएगा । इस टेक्सटाइल पार्क बनने से हजारो लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। स्पिनिंग, वीविंग, प्रोसेसिंग व रेडीमेड गारमेंट इकाई को एक ही परिसर में सब सुविधायें प्राप्त होंगी। स्थानीय उद्योगों को निर्यात केंद्र के रूप मे नई पहचान मिलेगी। सांसद अग्रवाल ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। सांसद कार्यालय प्रभारी प्रेम गर्ग ने बताया कि इस 221 करोड़ के बजट से टेक्सटाइल पार्क में प्रोसेस हाउस, स्पिनिंग, वीविंग, रेडीमेड गारमेंट के अलग-अलग खंड बनाए जाएंगे इसके अलावा पार्क में डंपिंग यार्ड ,अर्थ स्टेशन, सामुदायिक भवन, बैंक, वेट ब्रिज, स्किल डेवलपमेंट सेंटर, फायर स्टेशन ,पुलिस स्टेशन, अस्पताल, डिस्पेंसरी ,लेबर क्वार्टर, सुलभ कॉम्प्लेक्स की भी व्यवस्था होगी ।

शाहपुरा में संपन्न हुआ मिनी स्विमिंग ओलंपिक थर्ड

102 तैराकों ने दिखाई प्रतिभा, जयपुर-अजमेर के खिलाड़ियों का रहा दबदबा

▪ स्मार्ट हलचल

शाहपुरा-।भीलवाड़ा जिला तैराकी संघ, शाहपुरा के तत्वावधान में रविवार को नगरपालिका स्थित तरणताल पर "शाहपुरा मिनी स्विमिंग ओलंपिक थर्ड" का भव्य आयोजन किया गया। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जयपुर, अजमेर, राजसमंद, भीलवाड़ा, शाहपुरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से कुल 102 तैराकों ने भाग लिया और विभिन्न वर्गों में अपनी उत्कृष्ट तैराकी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन को देखने के लिए खेल प्रेमियों की भीड़ उमड़ पड़ी, वहीं प्रतियोगिता स्थल पर खेल भावना और उत्साह का माहौल पूरे दिन बना रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राष्ट्रीय तैराक अदिति शर्मा, भारतीय राजस्व सेवा के संयुक्त आयुक्त आनंद प्रकाश, राजस्थान तैराकी संघ के कोषाध्यक्ष महाव्रत गौतम सिंह चैहान, वरिष्ठ खेल अधिकारी राकेश वर्मा तथा तकनीकी निर्णायक मंडल के सदस्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन जिला तैराकी संघ के सचिव नरेश बुलिया ने किया। उन्होंने बताया कि शाहपुरा में आयोजित यह मिनी स्विमिंग ओलंपिक का तीसरा संस्करण है। इससे पूर्व दो आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं और इस बार भी आयोजन ने खिलाड़ियों में उत्साह व आत्मविश्वास का संचार किया है। बुलिया ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में तैराकी खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा प्रतिभाशाली तैराकों को आगे राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।

विभिन्न वर्गों के परिणाम इस प्रकार रहे-

छात्र वर्ग (प्रथम ग्रुप)-

100 मीटर फ्री स्टाइल में अकील खान कायमखानी (शाहपुरा) प्रथम
100 मीटर बैक स्ट्रोक में देवराज माली (भीलवाड़ा) प्रथम
100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में अकील खान कायमखानी (शाहपुरा) प्रथम
100 मीटर बटरफ्लाई में दिव्यांश गुप्ता (जयपुर) प्रथम
200 मीटर व्यक्तिगत मिडले में दिव्यांश गुप्ता (जयपुर) प्रथम

छात्रा वर्ग (प्रथम ग्रुप)-

100 मीटर फ्री स्टाइल में शहरनाज सिद्दीकी (अजमेर) प्रथम
100 मीटर बैक स्ट्रोक में विधि चैहान (अजमेर) प्रथम
100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में शहरनाज सिद्दीकी (अजमेर) प्रथम
100 मीटर बटरफ्लाई विधि चैहान (अजमेर) प्रथम
200 मीटर व्यक्तिगत मिडले में विधि चैहान (अजमेर) प्रथम

छात्र वर्ग (द्वितीय ग्रुप)-

50 मीटर फ्री स्टाइल में सैयद आतिश चिश्ती (अजमेर) प्रथम
50 मीटर बैक स्ट्रोक में पृथ्वीराज सिंह (जयपुर) प्रथम
50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में पृथ्वीराज सिंह (जयपुर) प्रथम
50 मीटर बटरफ्लाई में सैयद आतिश चिश्ती (अजमेर) प्रथम

छात्रा वर्ग (द्वितीय ग्रुप)-

50 मीटर फ्री स्टाइल में अनुष्का धाकड़ (शाहपुरा) प्रथम
50 मीटर बैक स्ट्रोक में अनुष्का धाकड़ (शाहपुरा) प्रथम
50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में अनुष्का धाकड़ (शाहपुरा) प्रथम
50 मीटर बटरफ्लाई में कनिष्क चैहान (भीलवाड़ा) प्रथम

प्रतियोगिता में अजमेर और जयपुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन रहा, वहीं स्थानीय खिलाड़ी भी पीछे नहीं रहे। शाहपुरा की अनुष्का धाकड़ और अकील खान कायमखानी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई इवेंट्स में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्थानीय दर्शकों का दिल जीत लिया। राजस्थान तैराकी संघ के कोषाध्यक्ष महाव्रत गौतम सिंह चैहान ने अपने उद्बोधन में कहा कि शाहपुरा में तैराकी का यह स्तर देखकर गर्व होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को निखारने का माध्यम हैं, बल्कि बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास भी करते हैं। पूर्व राष्ट्रीय तैराक अदिति शर्मा ने कहा कि तैराकी एक ऐसा खेल है जो शरीर और मन दोनों को सशक्त बनाता है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे नियमित अभ्यास कर अपनी प्रतिभा को राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाएं। ज्वाइंट कमिश्नर आनंद प्रकाश ने कहा कि छोटे कस्बों में इस तरह के आयोजन खेल संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि शाहपुरा जैसे स्थान पर इतने बड़े पैमाने पर तैराकी प्रतियोगिता का सफल आयोजन होना खेलों के विकास का प्रतीक है। जिला तैराकी संघ के सचिव नरेश बुलिया ने बताया कि मिनी स्विमिंग ओलंपिक के सभी इवेंट्स को ओलंपिक नॉर्म्स के आधार पर आयोजित किया गया। इससे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का अनुभव प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि संघ का प्रयास रहेगा कि आने वाले वर्षों में भी यह आयोजन और अधिक भव्यता के साथ किया जाए। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने विजेताओं को पदक और प्रमाणपत्र प्रदान किए। उपस्थित जनों ने आयोजन समिति और प्रशिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। पूरे आयोजन के दौरान तैराकी संघ के पदाधिकारी, कोच और तकनीकी अधिकारी व्यवस्था में सक्रिय रहे।

रायला में आयोजित होगा 'नव विधान न्याय की नई पहचान' कार्यक्रम

▪ स्मार्ट हलचल

रायला। भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा 13 अक्टूबर 2025 को देशभर में 'नव विधान न्याय की नई पहचान' कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर रायला ग्राम पंचायत में भी लाइव प्रसारण किया जाएगा जिसमे नए आपराधिक कानूनों की जानकारी, न्याय व्यवस्था में किए गए सुधारों एवं नागरिकों के अधिकारों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता तथा आमजन बड़ी संख्या में शामिल होंगे। रायला थानाधिकारी बच्छराज चौधरी का कहना है की कार्यक्रम जनजागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे आमजन को नए कानूनों की समझ विकसित होगी और न्याय तक पहुंच सरल बनेगी।

लाइव प्रसारण कार्यक्रम आयोजित होगा ताकि ग्रामीण स्तर पर अधिक से अधिक लोग न्याय प्रणाली में आए परिवर्तनों से परिचित हो सकें।

सड़क पर आए गोवंश से बाइक भिड़ी, दंपती व पुत्र गंभीर रूप से घायल

▪ स्मार्ट हलचल

प्रशासन से मांग की गई है कि सड़कों पर भटक रहे गोवंश को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की जाए

शाहपुरा- शाहपुरा-विजयनगर मार्ग पर बूलिया फिलिंग स्टेशन के पास उस समय बड़ा हादसा हो गया, जब सड़क पर अचानक अज्ञात गोवंश आ जाने से एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर उससे जा टकराई। हादसे में बाइक सवार दंपती और उनका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर दौड़ पड़े और घायलों को तुरंत सहायता पहुंचाई। घटना में घायल हुए मोटरसाइकिल चालक ओमप्रकाश रेगर (60) निवासी कादेड़ा, उनकी पत्नी और पुत्र को ग्रामीणों की मदद से 108 एंबुलेंस द्वारा राजकीय चिकित्सालय शाहपुरा पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह लगभग 8 बजे के आसपास ओमप्रकाश अपने परिवार के साथ किसी कार्य से विजयनगर की ओर जा रहे थे। तभी बूलिया फिलिंग स्टेशन के पास सड़क पर अचानक गोवंश आ गया। वाहन को बचाने की कोशिश में बाइक अनियंत्रित होकर गोवंश से जा भिड़ी। टक्कर इतनी तेज थी कि ओमप्रकाश रेगर के सिर पर गंभीर चोट आई और वे मौके पर ही बेहोश हो गए। उनकी पत्नी भी गिरने से घायल हो गईं, जबकि पुत्र को हाथ-पैर में चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद खेतों में काम कर रहे ग्रामीण आरिफ मोहम्मद देशवाली, अख्तर हुसैन, केसर खां कायमखानी, जीव दया सेवा समिति के संयोजक अतू खां कायमखानी, नूर मोहम्मद कायमखानी सहित कई महिलाओं ने मौके पर पहुंचकर घायलों को संभाला। उन्होंने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी और परिजनों से भी संपर्क करवाया। जीव दया सेवा समिति के संयोजक अतू खां कायमखानी ने बताया कि ग्रामीणों ने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए त्वरित सहायता उपलब्ध कराई। "ऐसे समय में लोगों द्वारा दिखाई गई तत्परता और सहयोग सराहनीय है। अतू खां ने बताया कि घायलों को समय रहते अस्पताल पहुंचाने में आरिफ मोहम्मद देशवाली और उनकी पत्नी का योगदान महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने सभी सहयोगी ग्रामीणों और 108 एंबुलेंस दल का आभार जताया। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर आवारा गोवंश के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। प्रशासन से मांग की गई है कि **सड़कों पर भटक रहे गोवंश को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की जाए,** ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

69वीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का हुआ समापन

विजेता खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित, खेलों में भागीदारी को बताया व्यक्तित्व विकास की आधारशिला

▪ स्मार्ट हलचल

करेड़ा। उपखंड क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कीड़ीमाल में आयोजित तीन दिवसीय 69वीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन समारोह शनिवार को उत्साह और जोश के माहौल में संपन्न हुआ। समापन के अवसर पर विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) राजेंद्र गग्गड, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी मायाकांत शर्मा तथा अध्यक्षता सरपंच प्रशासक शीला गुर्जर ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया। विद्यालय प्रबंधन समिति की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

मुख्य अतिथि राजेंद्र गग्गड ने खिलाड़ियों को खेलभावना के साथ प्रतिस्पर्धा करने का संदेश दिया और कहा कि "खेल शिक्षा का अभिन्न अंग हैं, जो अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना सिखाते हैं।"

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल तिवारी ने कहा कि विभिन्न विद्यालयों से आए प्रतिभागियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने खेलों को शिक्षा के साथ समान महत्व देने की अपील की। सरपंच प्रशासक शीला गुर्जर ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं।

इस अवसर पर समाजसेवी मेवाराम गुर्जर ने शिक्षा और खेल दोनों के संतुलन को विद्यार्थी जीवन की सफलता का सूत्र बताया। विद्यालय और खेल को सहयोग देने वाले भामाशाहों का भी सम्मान किया गया।

शारीरिक शिक्षक सांवरिया कुमावत ने कहा कि खेल से शरीर और मन दोनों का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से मोबाइल की दुनिया से बाहर निकलकर खेल मैदानों में अधिक समय बिताने का आह्वान किया। कमल सिंह राठौड़ ने बताया कि प्रतियोगिता में ऊंची कूद, भाला फेंक, चक्का फेंक और गोला फेंक जैसी प्रमुख स्पर्धाएं आयोजित की गईं।

तीन दिवसीय यह प्रतियोगिता कीड़ीमाल के लिए एक सफल, प्रेरणादायक और यादगार आयोजन साबित हुई, जिसने विद्यार्थियों में खेल भावना और आत्मविश्वास को नई दिशा दी।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 2 दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान में 15 अपराधी गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

नारायणपुर/ कोटपुतली-बहरोड़ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार विश्नोई के निर्देशन में चलाए जा रहे दो दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत नारायणपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विभिन्न धाराओं में 15 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी रोहिताश कुमार ने बताया कि अपराध पर नियंत्रण एवं क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह अभियान दो दिनों तक संचालित किया गया। अभियान के पहले दिन शनिवार को थाना स्तर पर गठित टीमों ने चालानशुदा अपराधी, स्थायी वारंटी तथा जुआ एवं सम्पत्ति संबंधी अपराधों में लिप्त आरोपी राहुल यादव, भवानी शंकर खटीक, पप्पूराम बावरिया, कृष्ण कुमार बावरिया और हंसराज धोबी को गिरफ्तार किया। वहीं रविवार को कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने महेश कुमार सैनी, मनीष शर्मा, अमीचंद सैनी, विजय कुमार रैगर, अजय कुमार रैगर, अजित मीणा, मोहनलाल खाती, मनीष यादव, मनीष कुमार यादव और संदीप सिंह शेखावत को दबोचा।

लापरवाही का अस्पताल: सुनेल में ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं लगने से महिला की मौत

75 बेड के अस्पताल की व्यवस्थाएं चरमराई, परिजन बोले — "सिस्टम ने ली जान"

▪ स्मार्ट हलचल

झालावाड़ । रविवार सुबह सुनेल स्थित राजकीय इब्राहिम चिकित्सालय में ऑक्सीजन सिलेंडर समय पर नहीं लग पाने से एक महिला की मौत हो गई। इस घटना ने तहसील के सबसे बड़े प्रथम श्रेणी अस्पताल की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। मृतका के परिजनों में गहरा रोष है।

मिली जानकारी के अनुसार, हनोतिया निवासी प्रेम बाई (60) को हृदयाघात के बाद सुनेल अस्पताल लाया गया था। यहां भर्ती कर उनका प्राथमिक उपचार शुरू किया गया, लेकिन तबीयत बिगड़ने पर

फोटो भर्ती महिला मरीज को सीपीआर देते कर्मचारी व डॉक्टर

फोटो अस्पताल में मरीज के पलंग पास के बिजली बोर्ड खराब

ऑक्सीजन की आवश्यकता पड़ी। अस्पताल में मौजूद एक इलेक्ट्रिक ऑक्सीजन सिलेंडर और तीन सामान्य सिलेंडर भी बेकार साबित हुए।

महिला जिस बेड पर भर्ती थी, उसके दोनों ओर के इलेक्ट्रिक बोर्ड खराब थे, जिससे ऑक्सीजन मशीन नहीं जोड़ी जा सकी। इसके बाद सामान्य सिलेंडर लाए गए, लेकिन पहला सिलेंडर खाली, दूसरा वाल्व खराब और तीसरा कर्मचारियों द्वारा ठीक करने में समय लगने से महिला ने दम तोड़ दिया।

मृतका के पौत्र महेंद्र सिंह ने बताया कि 'समय पर ऑक्सीजन नहीं लगाने से दादी की मौत हो गई। यह पूरी तरह अस्पताल प्रशासन की लापरवाही है।'

उन्होंने दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

अव्यवस्थाओं से जूझ रहा सुनेल अस्पताल

सुनेल का यह 75 बेड का राजकीय अस्पताल क्षेत्र के लगभग 80 गांवों के मरीजों का सहारा है। यहां 16 चिकित्सक पद स्वीकृत हैं, परंतु केवल सात डॉक्टर कार्यरत हैं। नर्सिंग स्टाफ और तकनीकी कर्मचारियों की भी कमी है। सरकार की ओर से संसाधन उपलब्ध करवाए जाने के बावजूद मरीजों को सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा।

जनप्रतिनिधियों का नहीं ध्यान

स्थानीय लोगों का कहना है कि सुनेल अस्पताल की दुर्दशा पर जनप्रतिनिधि और नेता मौन हैं। किसी ने भी अस्पताल की अव्यवस्था पर गंभीरता से आवाज नहीं उठाई, जिससे स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

कोरोना के बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्था

कोरोना काल में ऑक्सीजन सिलेंडर की कमी से कई जानें गई थीं। उसके बाद सरकार ने अस्पतालों में पर्याप्त ऑक्सीजन की व्यवस्था के सख्त निर्देश दिए थे। इसके बावजूद रविवार को प्रेम बाई की मौत ने यह साफ कर दिया कि सुनेल अस्पताल में सिस्टम लाचार और लापरवाह है।

डॉ. शुभम स्वामी, चिकित्सक, राजकीय इब्राहिम अस्पताल, सुनेल

"महिला को हृदयाघात आया था। हमने सीपीआर दी और ऑक्सीजन की जरूरत पड़ी। ऑक्सीजन लगने में देरी हुई, जिससे जान नहीं बच सकी।"

डॉ. हरिप्रसाद लखवाल, प्रभारी, सुनेल अस्पताल

"मेरे पास केवल वित्तीय कार्यभार है। प्रशासनिक जिम्मेदारी मेरे अधीन नहीं है।"

डॉ. एम.एस. खान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, झालावाड़

"घटना दुखद है। ऑक्सीजन सिलेंडर की कमी नहीं थी। संबंधित लापरवाह कर्मचारियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी और व्यवस्थाएं जल्द सुधारी जाएंगी।"

फोटो खराब ऑक्सीजन सिलेंडर को सही करते कर्मचारी

ईरांस में रक्तदान शिविर में 133 यूनिट रक्तदान

▪ स्मार्ट हलचल

रायला। रायला के निकटवर्ती ईरांस ग्राम पंचायत स्थित आंवण माता मंदिर प्रांगण में रविवार को आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में 133 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इसमें 131 युवाओं एवं 2 युवतियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया।

यह ईरांस ग्राम में आयोजित पहला रक्तदान शिविर था, जिसे ग्रामवासियों के सहयोग, उत्साह और समर्पण से सफल बनाया गया। आसपास के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में पहुंचे और रक्तदान कर शिविर को और भी सफल बनाया।

कार्यक्रम में रक्तदान शिविर के प्रभारी एवं स्टाफ का माला पहनाकर सम्मान किया गया। कई युवाओं ने पहली बार रक्तदान किया, और उन्होंने उत्साहपूर्वक सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर अपने इस मानवीय कार्य को साझा किया।

आयोजकों ने सभी रक्तवीरों एवं युवा शक्ति का हृदय से आभार व्यक्त किया।

विधायक आक्या ने पीवीसी पाइपलाईन योजना हेतु ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ाने की मांग की

▪ स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा को पत्र लिखकर किसानों के हित में पीवीसी पाइपलाईन योजना हेतु ऑनलाइन सब्सिडी पोर्टल पर आवेदन की तिथि बढ़ाने की मांग की है।

विधायक आक्या द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा को लिखे पत्र में बताया की विभाग द्वारा पीवीसी पाइपलाईन योजना हेतु ऑनलाइन सब्सिडी पोर्टल पर आवेदन करने की अंतिम तिथी 28 सितम्बर 2025 तय की गई थी। इस बार लगातार बारिश होने तथा कृषि कार्य में व्यस्तता की वजह से अनेक किसान पीवीसी पाइपलाईन हेतु आवेदन नहीं कर पाये। राज्य सरकार की 'पीवीसी पाइपलाईन पर सब्सिडी योजना' ऑनलाइन आवेदन पोर्टल 28 सितम्बर 2025 को बन्द हो गया। उक्त पोर्टल बन्द होने के कारण हजारों की संख्या में किसान इस योजना में आवेदन करने से वंचित रह गये जबकि किसानों को रबी की फसलों की सिंचाई करने हेतु पीवीसी पाइपलाईन की महत्ती आवश्यकता है।

विधायक आक्या ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा से राज्य सरकार की इस महत्वपूर्ण किसान हितैषी योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र किसानों को मिले इस हेतु ऑनलाइन सब्सिडी पोर्टल पर आवेदन को आगामी एक माह तक के लिए पुनः शुरू कराने की मांग की है।

पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान का राज्य स्तरीय सेमिनार और चिंतन बैठक सम्पन्न, शिक्षकों ने सरकार से वादे पूरे करने की रखी मांग

▪ स्मार्ट हलचल

शाहपुरा / पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान, जयपुर के तत्वावधान में रविवार को राज्य स्तरीय सेमिनार एवं चिंतन बैठक का आयोजन सेंट माइकल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सुभाष चैक, जयपुर में संपन्न हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जयपुर शहर की सांसद श्रीमती मंजू शर्मा रही, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षा विभाग सचिवालय जयपुर से बी.के. गुप्ता और सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार हंस उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव डॉ. परमेश्वर प्रसाद कुमावत ने किया। उन्होंने बताया कि इस सेमिनार का विषय "स्वदेशी निर्मित एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान" रखा गया था। सेमिनार में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए लगभग 200 पुरस्कृत शिक्षकों ने भाग लिया और अपने विचार साझा किए। सांसद श्रीमती मंजू शर्मा ने अपने

उद्बोधन में कहा कि स्वदेशी उत्पादों का उपयोग केवल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की आर्थिक सशक्तता का प्रतीक भी है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों में स्वदेशी भावना, आत्मनिर्भरता और देशभक्ति का भाव जागृत करने की दिशा में काम करें। सेमिनार के दूसरे सत्र में आयोजित चिंतन बैठक में पुरस्कृत शिक्षकों की वर्तमान स्थिति, अधिकारों और हितों पर विस्तार से चर्चा हुई। महासचिव रामेश्वर प्रसाद शर्मा ने बताया कि पुरस्कृत शिक्षकों को सरकार द्वारा दी जाने वाली अनेक सुविधाओं का आज तक पूर्ण लाभ नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पुरस्कृत शिक्षकों को अतिरिक्त वेतन वृद्धि का लाभ देने का वादा किया था, परंतु सरकार के दो वर्ष पूरे होने के बाद भी इस घोषणा पर अमल नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि यह स्थिति पुरस्कृत शिक्षकों में असंतोष और निराशा का कारण बन रही है। शर्मा ने सरकार से मांग की कि घोषणा को शीघ्र लागू कर शिक्षकों को उनका उचित सम्मान और अधिकार दिलाया जाए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि बी.के. गुप्ता ने कहा कि शिक्षा प्रणाली में पुरस्कृत शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके अनुभव और योगदान से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संभव है। वहीं, राजेंद्र कुमार हंस ने कहा कि शिक्षकों को केवल कक्षा तक सीमित न रहकर समाज के मार्गदर्शक के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम में राजस्थान के सभी जिलों से आए शिक्षकों ने संगठन की मजबूती और एकजुटता पर बल दिया। फोरम भीलवाड़ा के शिष्टमंडल में सूर्य प्रकाश पाराशर, मुकेश कुमार कुमावत, राम राय मीणा एवं सीताराम बेरवा ने भाग लिया।

शिवांगी लोहार ने किया चित्तौड़ ओर मेवाड़ का नाम रोशन, मेवाड़ के सितारे अवॉर्ड में जीता सम्मान

▪ स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। सोशल मीडिया की उभरती हुई फैशन, लाइफस्टाइल व ओन-वॉइस कंटेंट क्रिएटर शिवांगी लोहार ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा के दम पर मेवाड़ का नाम रोशन किया है। इससे पहले भी कई अवॉर्ड जीत चुकी शिवांगी ने इस बार मेवाड़ के सितारे अवॉर्ड शो में फैशन, लाइफस्टाइल, ओन वॉइस कैटेगरी में विजेता बनकर दूसरा स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महारानी निवृत्ति कुमारी थीं, जिनके हाथों से सम्मान प्राप्त करना शिवांगी के लिए गर्व का क्षण रहा। शिवांगी इंस्टाग्राम पर 2.5 लाख से अधिक फॉलोअर्स के साथ तेजी से बढ़ती सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर हैं।

शिवांगी को इससे पहले भी ग्रैंड ब्यूटी अवॉर्ड्स में सम्मानित किया जा चुका है। वह टी-सीरीज़ राजस्थानी के लोकप्रिय गीत "टूटे डोरी कोई" और "आवे हिचकी" में कार्य कर चुकी हैं। साथ ही जैज़ रिकॉर्ड्स के गाने "अखियां" में भी नजर आई हैं और कई बड़े इन्फ्लुएंसर्स के साथ कोलैबोरेशन कर चुकी हैं।

शिवांगी ने अपनी क्रिएटिव आर्ट और दमदार कंटेंट से दर्शकों का दिल जीता है और लगातार डिजिटल वर्ल्ड में अपना मुकाम बना रही हैं। मेवाड़ से इस शो में हिस्सा लेने वाली वह पहली लड़की हैं, जिन्होंने अब तक दो बार अवॉर्ड जीतकर इतिहास रचा है।

शिवांगी का कहना है कि यह सफलता उनके लिए सिर्फ शुरुआत है, आगे और भी बड़े मुकाम हासिल करने का लक्ष्य है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com

इतिहास और आस्था का गढ़ पावागढ़

गुजरात के पंचमहल जिले का पावागढ़ एक बहुत ही खूबसूरत हिल स्टेशन है। समुद्रतल से 822 मीटर की ऊंचाई लिए यह इलाका अपने प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिकता और हिन्दू-मुस्लिम आस्था के केन्द्र के रूप में जाना जाता है। इस क्षेत्र की सैर पर्यटन के एक नए अनुभव से परिचित कराती है

प्रमुख दर्शनीय स्थल

चंपानेर

पावागढ़ हिल पर बसा चंपानेर बेहद रमणीय स्थल है। कहा जाता है कि राजा वनराज चावड़ा ने चंपानेर को अपने मंत्री चंपा की याद में बसाया था। एक बात जो चंपानेर को और भी खास बनाती है, वह यह है कि 16वीं शताब्दी के महान संगीतकार और तानसेन के समकालीन प्रतिद्वंद्वी बैजू बावरा चंपानेर से ही संबंध रखते थे।

कालिका माता मंदिर

पावागढ़ पहाड़ी की चोटी पर इस क्षेत्र का सबसे प्राचीन मंदिर है कालिका माता मंदिर। यह स्थान सबके आकर्षण का केन्द्र बिंदु है। मंदिर चंपानेर-पावागढ़ पुरातत्व पार्क के अंतर्गत आता है। इस मंदिर तक जाने वाला 5 किलोमीटर का रास्ता एक जंगल से होकर गुजरता है जो धार्मिक आस्था के साथ-साथ श्रद्धालुओं में रोमांच पैदा करता है। आप चाहें तो केबल कार से भी मंदिर तक कुछ ही मिनटों में पहुंच सकते हैं। समुद्रतल से 762 मीटर की ऊंचाई पर स्थित 10वीं और 11वीं शताब्दी के दरम्यान बने इस मंदिर में माता की तीन मूर्तियां हैं। यह मंदिर भारत के 51 शक्तिपीठों में से एक है। कहते हैं भगवान शिव के तांडव के दौरान सती के दाहिने पैर की उंगली इसी स्थान पर गिरी थी। चैत्र मास में माता का मेला लगता है।

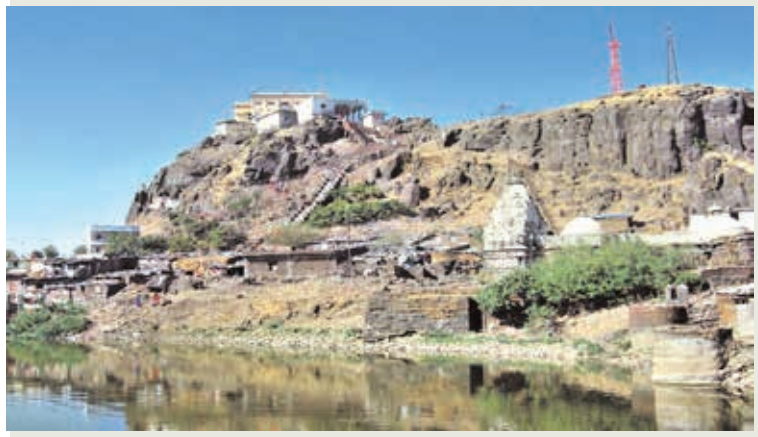

पुरातत्व पार्क

यह पार्क तीन हिस्सों में बंटा हुआ है। आधार वाले हिस्से को चंपानेर, पहाड़ी की चोटी को पावागढ़ और इन दोनों को जोड़ने वाले हिस्से को मर्ची कहा जाता है। यह पार्क देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। यह पार्क प्राचीन इमारतों के अवशेषों, महल, दुर्गों, धार्मिक इमारतों, आवासीय क्षेत्रों, कृषि और अन्य प्रतिष्ठानों से संबंधित रचनाओं का गवाह है। पार्क में मौजूद विभिन्न शिलालेख प्रागैतिहासिक काल के बारे में बहुत कुछ कहते हैं। यह पार्क पावागढ़ के पर्यटन का प्रमुख हिस्सा है। यह भारत में पायी जाने वाली प्राचीन संरचनाओं में से एक है। इस पार्क के भीतर 100 से अधिक ऐतिहासिक इमारतें मौजूद हैं। पार्क में हिन्दू और मुस्लिम भवन निर्माण शैली का अनूठा मिशग्रमिलता है। इस पार्क को 'यूनेस्को' ने 2004 में विश्व धरोहर का दर्जा प्रदान किया।

पावागढ़ किला

किले को देखकर कोई भी व्यक्ति किले की भव्यता का अंदाजा लगा सकता है। यह किला गुजरात के समतल भूमि पर बने किलों में से एक है। इस किले का अपना महत्व है। चंपानेर क्षेत्र में स्थित यह किला कभी सोलंकी राज्य का महत्वपूर्ण हिस्सा था। किले की दीवारों के कुछ हिस्से अब भी बने हुए हैं।

मस्जिद

पावागढ़ में जामा मस्जिद, नगीना मस्जिद, केवड़ा मस्जिद, सहारा की मस्जिद और लीला गुंबई नामक पांच प्रमुख मस्जिदें हैं। इन मस्जिदों की वास्तुशैली, इनकी सजावट और नक्काशी देखने वालों को जहां आस्था से भर देती है वहीं यहां के समृद्ध इतिहास को बयां करती है। इन्हें देखे बगैर पावागढ़ की यात्रा जैसे अधूरी-सी लगती है।

सदानशाह पीर दरगाह

कालिका मंदिर से थोड़ा आगे ऊपर की ओर संत सदानशाह पीर दरगाह है। कालिका माता और इस दरगाह के कारण यह जगह हिन्दू और मुस्लिमों की सामूहिक आस्था और श्रद्धा का केन्द्र है। इसके अलावा सत कामन, वद तालाब, लकुलिसा मंदिर, पाश्र्वनाथ मंदिर आदि पावागढ़ के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

कैसे आएं

वडोदरा तक आप किसी भी वाहन द्वारा पहुंच सकते हैं। इसके आगे का लगभग 40 किलोमीटर का सफर आपको पावागढ़ तक पहुंचाता है। नजदीक का रेलवे स्टेशन चंपानेर है। नजदीक का एयरपोर्ट वडोदरा (40 किलोमीटर) है ।

सही समय

वैसे पावागढ़ घूमने का सही समय फरवरी से जून और अक्टूबर से दिसम्बर का है। लेकिन प्रकृति प्रेमी और इतिहासकार पूरे वर्ष भर किसी भी मौसम में यहां घूमते नजर आ जाते हैं।

पटना का जादू घर लुभाता है बच्चों को

बिहार की राजधानी पटना का पर्यटन की दृष्टि से विशेष महत्व है। बोधगया जाने वाले कई सैलानी पटना शहर घूमने जरूर आते हैं। इतिहास में रूचि रखने वाले विद्यार्थियों और पर्यटकों के लिए यहां कई ऐतिहासिक स्थल है जहां उन्हें जरूर जाना चाहिए। इसके अलावा पटना संग्रहालय ऐसी जगह है जहां गुप्तकाल, कुशान व मुगल काल और ब्रिटिश काल में संबंधित कई चीजें उस दौर के इतिहास से रूबरू कराती हैं। जादू घर के नाम से भी लोकप्रिय इस संग्रहालय में बच्चों को जरूर ले जाना चाहिए। फिलहाल इसे नये जगह ले जाने और नया रूप देने की तैयारी चल रही है।

सर एडवर्ड गैट इस संग्रहालय के संस्थापक थे। 1917 में इस संग्रहालय के संस्थापक थे। 1917 में इस संग्रहालय के बारे में लोगों को पता चला। इस संग्रहालय भवन की बेजोड़ कलाकृति देश-विदेश से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है। प्रवेश द्वार प ही सर एडवर्ड गैट की अर्धप्रतिमा स्थापित हैं। म्यूजिक के चारों तरफ बेहद खूबसूरत पार्क बनाया गया है। इसकी, हरियाली मन को मोह लेती है। इस संग्रहालय में लगभग 45 हजार से भी ज्यादा वस्तुएं हैं जो प्रदर्शन के लिए रखी गई है। लेकिन जगह के अलाव के कारण कई वस्तुएं प्रदर्शित नहीं हो पा रही है।

हाल ही में पटना हाईकोर्ट के पास इस संग्रहालय के लिए जगह दी गई हैं और इसके निर्माण के लिए लगभग 400 करोड़ का पैकेज भी दिया गया है। आने वाले समय में आप पटना संग्रहालय का नया रूप देख पाएंगे। उन सारी वस्तुओं को भी देख पाएंगे जो जगह न रहने के कारण डिस्टले नहीं हो पा रही थीं। उम्मीद की जा रही हैं कि 22 मार्च 2015 को बिहार दिवस के दिन इस नए संग्रहालय का उद्घाटन किया जाएगा।

पटना जंक्शन से लगभग दो किलोमीटर दूर बुद्धमार्ग के इस संग्रहालय में वस्तुओं के प्रदर्शन के लिए दो मंजिला इमारत बनी है। जिसके अंदर कई गैलरी हैं। इन गैलरियों में दुर्लभ वस्तुओं को सलीके से प्रदर्शित किया गया है। ग्राउंड फ्लोर के दाहिनी तरफ की एक गैलरी में कई तरह के जानवरों की प्रतिकृति रखी हैं। इनको को देख बच्चे चकित रह जाते हैं। बड़े आकार के विसन को हॉल के बीच में रखा गया है। इसके आसपास टाइगर, डियर, मगरमच्छ, पैंथर, पक्षियों और तितलियों की प्रतिकृति के अलावा भी और कई चीजें हैं देखने के लिए।

ग्राउंड फ्लोर के बायीं तरफ गैलरी में आने वाले पर्यटक यहां रखी तीसरी शताब्दी की दीदारगंज याक्षिणी को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते है। यहां और भी कई खूबसूरत कलाकृति दर्शनीय हैं जैसे काले पत्थर से बना गरगोइल जो बुद्ध के जन्म को दर्शाता है। हॉल दूसरे छोटे से हॉल से जुड़ा हैं जहां भगवान बुद्ध की विभिन्न मुद्रा में मूर्तियां देखने को मिलती हैं। पाल काल की बेहतरीन कारीगरी के रूप में बुद्ध की मूर्ति के अलावा कई दुर्लभ चीजें देखने को मिलती हैं।

पहली मंजिल पर बीचोंबीच स्थित इस गैलरी में टेराकोटा से बनी डांसिंग गर्ल, लाफिंग बॉय और स्माइलिंग गर्ल देखा जा सकता है। मोहनजोदड़ो और तक्षशिला के अलावा यहां मौर्य, संग, कुशान और गुप्त काल के टेराकोटा रखे गए हैं। इसी मंजिल पर कई और गैलरी हैं जैसे ब्रोंज गैलरी, अस्त्र शास्त्र की गैलरी, पेंटिंग गैलरी, पाटलीपुत्र गैलरी और राजेंद्र गैलरी। हर गैलरी में ऐसी चीजें रखी गई हैं, जो विस्मित कर देती हैं।

इसके अलावा कई और गैलरी हैं जहां बेहतरीन कलाकृति देखी जा सकती हैं जैसे आर्ट गैलरी, बुद्धा रेलिक गैलरी, ओड़िशा स्टोन स्कलप्चर, इंडियन स्टोन आर्ट ट्रेडिशन, राहुल सांस्कृत्यायन गैलरी।

पटना म्यूजियम का राष्ट्रीय महत्व है। यहां ऐसी कई दुर्लभ चीजें हैं, जो कहीं और देखने को नहीं मिलती। अगर पटना जाए तो यहां जरूर जाएं ताकि आप भी इतिहास और जादू की दुनिया से जुड़ सके। यहां आप सुबह साढ़े दस बजे से शाम साढ़े चार बजे तक जा सकते हैं। सोमवार को यह संग्रहालय बंद रहता है।

स्वर्णिम इतिहास का प्रमाण है

महाबलीपुरम

तमिलनाडु में स्थित मामल्पुरम (जिसे महाबलीपुरम भी कहा जाता है) एक बहुत ही सुंदर समुद्रतट है और साथ ही दक्षिण भारत के स्वर्णिम इतिहास का जीता-जागता प्रमाण भी। इस शहर को इसे पल्लव राजवंश के राजा महेन्द्र बर्मन ने 7वीं सदी में बनवाया था। यहां की शिल्पकला अत्यंत सुंदर है और दर्शकों का मन मोह लेती है।

पंचरथ यहां का खूबसूरत स्थल है। ये एक ही पत्थर से बने हुए मंदिर हैं जिन्हें पांच पांडवों का नाम दिया गया है। ये रथ के आकार में बनाए गए हैं। ये मंदिर दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिरों की एक झांकी प्रस्तुत करते हैं।

पल्लव कला का आखिरी नमूना है शोर टेंपल। यह 7वीं सदी में राजसिम्ह नामक राजा ने बनवाया था। इस मंदिर की विशेषता है भगवान शिव और विष्णु के लिए बनाए गए तीर्थस्थान। यह धर्मराज रथ को देख कर बनाया गया है।

बास रिलीफ व्हेल मछली के आकार की विश्व की सबसे बड़ी चट्टान मानी जाती है। इसके एक तरफ देवी-देवताओं की मूर्तियां तथा दूसरी ओर विभिन्न जानवरों की मूर्तियां उकेरी गई हैं। इसकी शिल्पकला देखने लायक है।

महिषासुरमर्दिनी की गुफा और मंडप की गुफाओं में महिषासुर का वध करते हुए मां दुर्गा की एक मूर्ति है और दूसरी गुफा में नाग देवता पर लेटे हुए भगवान विष्णु की मूर्ति है। यहां आठ मंडप भी हैं जिनकी कला अवर्णनीय है।

महाबलीपुरम से लगभग 53 किलोमीटर दूर स्थित वेदंगतल नामक स्थल पक्षी अभयार.य के लिए प्रसिद्ध है। यहां नवंबर से फरवरी तक पक्षी आते हैं। आप क्रोकोडाइल बैंक भी देखने जा सकते हैं। यहां विभिन्न प्रजातियों के करीब पांच हजार मगरमच्छ रहते हैं। यह सुबह 8.30 से शाम 5.30 तक खुला रहता है।

मुथकडु कोवलम के उत्तर में स्थित है। यह स्थल बोटिंग और वाटर स्पोर्ट्स के लिए बनाया गया है। यहां पर्यटकों को बोटिंग का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। यहां शंख, सीपियों और पत्थर का बना सामान प्रसिद्ध है।

महाबलीपुरम जाना चाहें तो याद रखें कि अक्टूबर से जनवरी तक का समय यहां आने के लिए उपयुक्त है। मई से जुलाई तक तो यहां बहुत अधिक गर्मी पड़ती है और तापमान 42 डिग्री सेंटीग्रेड तक जा पहुंचता है। महाबलीपुरम तक आने के लिए आपको चेन्नई से बस और टैक्सियां भी आसानी से उपलब्ध हो जाएंगी और दक्षिण भारत के सभी शहरों से यहां तक बस सेवा भी उपलब्ध है।

महाबलीपुरम में ठहरने की भी उचित व्यवस्था है। यहां निजी होटलों के अलावा सरकारी गेस्ट हाउस और लॉज इत्यादि भी हैं जहां आसानी से उचित मूल्य में आपके ठहरने की व्यवस्था हो सकती है। ठहरने की व्यवस्था यहां मौजूद दलालों की मदद लिए बगैर यदि स्वयं ही करें तो ठीक रहेगा। आप चाहें तो होटल में अपने ठहरने की व्यवस्था पहले से ही फोन पर बुकिंग कर भी करवा सकते हैं।

कॉलेज गर्ल्स के लिए मेकअप टिप्स

कॉलेज लाइफ हर किसी की जिंदगी का एक अहम फेज होता है जिसे जीने के लिए हर कोई खासतौर पर लड़कियां, पहले से कई तैयारियां शुरू कर देती हैं। क्लोदिंग, एक्सेसरीज से लेकर अपना लुक तक वे नया चाहती हैं, जो उनकी इस न्यू स्टेज से मैच कर सके। कॉलेज गोइंग गर्ल्स की इसी चाहत को ध्यान में रखते हुए ब्यूटी एक्सपर्ट और एल्प्स कॉस्मेटिक क्लीनिक की एक्जीक्यूटिव डॉयरेक्टर गुंजग गौड़ बता रही हैं खास मेकअप टिप्स

एग्जाम, मार्क्स और एडमिशन के टेंशन की निशानियां जैसे डार्क सर्कल्स आदि आपके चेहरे पर साफ नजर आती हैं। ऐसे में, इन प्रॉब्लम्स को कलर करेक्शन फाउंडेशन क्रीम यानी सी.सी.क्रीम की मदद से छिपाया जा सकता है। इसे लगाने के लिए अपने हाथों में क्रीम लें और फिंगर की सहायता से पूरे चेहरे पर छोटो- छोटे डॉट्स लगाकर ब्रश से मर्ज कर लें।

ब्लशर की बजाय ब्रॉन्जर का इस्तेमाल करें। इसे फेस के आउटर कॉर्नर और चीक बोन के नीचे पाउडर ब्रश की सहायता से ब्लेंड करते हुए लगाएं। इससे आपका फेस पतला नजर आएगा। इसके अलावा ब्रॉन्जर का इस्तेमाल स्किन पर ग्लो लाता है और आपको खूबसूरत बना देता है।

ड्रेस से मैचिंग या फिर कॉम्प्लिमेंट करते हुए शेड जैसे एमरल्ड ग्रीन, इलेक्ट्रिक ब्लू, वॉयलेट आदि से आप अपनी आइज को सजा सकती हैं। इन दिनों ट्रेंड के मुताबिक कलर लाइनर से आप अपनी आई ज को विंग्ड स्टाइल से भी सजा सकती हैं। ये आपकी आंखों की शेप को अच्छे से डिफाइन भी करेगा। साथ ही, इसे लगाने के बाद आपको ज्यादा मेकअप करने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। इस मौसम में आई-मेकअप के लिए प्रोडक्ट्स वाटरप्रूफ ही इस्तेमाल करें। पलकों को आईलैश कर्लर से कर्ल करके उन पर मसकारा का डबल कोट लगायें। बबलगम पिंक या लाइट कोरल जैसे लाइट लिप शेड्स इस सीजन में आपकी खूबसूरती को निखारेंगे और उम्र की मासूमियत को बरकरार भी रखेंगे।

सेक्सी लुक के लिए बालों को मेसी लुक देकर साइड बन या ब्रेड बना सकती हैं। इस स्टाइल को और भी खूबसू रत बनाने के लिए उसे स्टाइलिश और फंकी एक्सेसरीज से सजा सकती हैं या फिर कलरफुल रिबन के साथ बेड को बना सकती हैं। इन सबके अलावा इन दिनों रेड और वॉयलेट कलर आ गये हैं। ऐसे में, आप बालों के किनारों में ब्राइट कलर करवा सकती हैं। इससे आपकी पर्सनालिटी में एक अलग ही अट्रैक्शन आएगा।

जीवनसाथी

दोस्त की तरह दें रिश्तों को अंजाम

भारतीय संस्कृति में विवाह को पवित्र संस्था माना जाता है जिसमें पति- पत्नी का रिश्ता ताजिंदगी का होता है। मधुर दांपत्य जीवन की नींव है आपसी प्रेम और विास। ऐसा तब संभव है जब पति-पत्नी एक दूसरे के कामों में सहयोग दें, विचारों-भावनाओं को समझें और सम्मान दें। वैवाहिक जीवन में जो बातें दरार पैदा करती हैं, उनमें प्रमुख हैं एक-दूसरे पर अविास, खुद को दूसरे से बड़ा या महत्वपूर्ण समझना और अपनी ही बात पर कायम रहना

एक रिसर्च के अनु सार, उम्र बीत जाने के बाद पति-पत्नी के चेहरे में साम्यता नजर आने लगती है। ऐसा तब होता है जब उनका आपसी प्यार, विास और एक-दूसरे के प्रति सम्मान जीवनपर्यंत कायम रहता है। एक सुखी और खुशहाल परिवार तभी बनता है जब पति-पत्नी दो पहियों की तरह परिवार रूपी गाड़ी को चलाते हैं। अगर इनमें से एक भी पहिया कमजोर हुआ तो पूरी गाड़ी चरमरा जाती है। दोनों का रिश्ता ऐसा होता है जिसे पूरे जीवन काल तक निभाना होता है। इस रिश्ते को 'जीवनसाथी' भी कहा जाता है। यह ऐसा रिश्ता है जहां अधिकार का भाव दोस्ती में बदल जाता है। अपने दोस्तों से जिस तरह हम बिना स्वार्थ के, बिना औपचारिकता निभाए हर छोटी-बड़ी बात शेयर करते हैं, पति-पत्नी को चाहिए कि वे भी इसी तरह के संबंधों से अपनी जिंदगी को खुशहाल बनाये।

➔सम्मान बराबरी से दें

इस रिश्ते में आपसी प्रेमभाव, भरोसा और एक-दूसरे की मानसिकता का सम्मान करना बहुत आवश्यक है। पति-पत्नी का रिश्ता जन्म-जन्मांतर का माना जाता है। इस रिश्ते में परस्पर विास और आदर की भावना ही एक-दूसरे के लिए स्नेह और समर्पण का बीज बनती है, जिससे दाम्पत्य रूपी वटवृक्ष फलता- फूलता है। कितना प्यारा और खूबसूरत है यह रिश्ता कि शादी से पहले दो इंसान एक-दूसरे को कितना कम जानते हैं, लेकिन विवाह हो जाने के बाद यह रिश्ता इतना अटूट और प्रगाढ़ हो जाता है कि जिंदगी की आखिरी सांस तक दोनों का साथ बना रहता है। लेकिन इस रिश्ते में सबसे महत्वपूर्ण है पति-पत्नी दोनों ही एक-दूसरे को सम्मान दें और एक दोस्त की तरह हर सुख-दुख में साथ निभाएं।

➔'मैं ' की भावना क्यों ?

रिश्तों में प्यार और समझ के लिए बहुत जरूरी है कि कभी भी दोनों एक-दूसरे पर हावी न हों। पति यह न समझे कि मैं पति हूं तो मुझे ही हक है कुछ भी करने का। वहीं पत्नी भी अपने पति के हर क्रियाकलाप में एक दोस्त की तरह व्यवहार करे। घर में लिए जाने वाले निर्णय आपसी सहमति से हों, न कि एक-दूसरे पर जबरदस्ती थोपने की भावना हो। हर दंपति चाहता है कि उसके परिवार में सभी सुख- सुविधाएं हों। अपने सपनों को दोनों तभी साकार कर पाएंगे जब दोनों मिलजुल कर सलाह-मशविरे से काम करेंगे। यदि पति यह अधिकार जमाए कि मैं कमाता हूं तो जो मैं चाहूंगा और पत्नी के मन में यह भावना हो कि घर को चलाना सिर्फ मेरे अधिकार क्षेत्र में है तो फिर कभी भी सामंजस्य नहीं हो पाएगा। इसके लिए दोनों को ही समझदारी और बड़प्पन दिखाना होगा।

➔काम में सहयोग दें

पति को अपने ऑफिस या अन्य कायरे के साथ-साथ सुबह और शाम का कुछ वक्त घर के कामों के लिए भी निकालना चाहिए। मसलन, शाम को कार्यालय से लौटते वक्त घर के लिए खरीदारी कर सकते हैं। सुबह घर के बगीचे की देखभाल करना, बच्चों को बस स्टॉप तक छोड़ना, दूध या सब्जी लाना आदि काम सरलता से किए जा सकते हैं। इससे आपकी पत्नी को घर के कार्यों में सहायता तो मिलेगी ही, साथ ही आपका तालमेल बेहतर होगा और आपका रिश्ता भी मधुर बना रहेगा। पति यह न सोचें कि बच्चों की देखभाल का काम तो पत्नी का ही है, आप भी बच्चों की परवरिश में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। जैसे छुट्टी के दिन बच्चों को नहलाएं, उन्हें तै यार करें। बच्चों के साथ खेलें, उन्हें पढ़ाएं। ऐसा करने से आपके और बच्चों के बीच भावनात्मक रिश्ता भी मजबूत होगा और पत्नी को कुछ समय तक बच्चों की देखभाल की चिंता नहीं होगी और इससे वह प्रसन्न होगी। दो

➔शक न करें

दाम्पत्य की अटूट कड़ी है आपसी विास। और विास पर ही पति- पत्नी का रिश्ता टिका होता है, इसलिए इसमें शक को बीच में कभी न आने दें, क्योंकि अगर यह एक बार आ जाता है तो पूरी जिंदगी लग जाती है टूटी कड़ी जोड़ने में। इसलिए जरूरी है कि विास की नींव हिलने न दें बल्कि इसे इतनी मजबूत बनाएं कि प्रचंड आंधी भी इसे हिला न सके। थोड़ी-सी लापरवाही की वजह से भी अविास पैदा होने लगता है। जैसे, पत्नी को ऑफिस से घर आने में लगातार देर हो रही है तो फोन कर उसे पति को बता देना चाहिए कि वह देर से आएगी। इसी तरह, अगर पति भी किसी काम में फंसे हैं और देर से घर आते हैं तो पत्नी को इसकी सही वजह बताएं। छोटे-छोटे झूठ बोलने से बचें क्योंकि कई बार एक छोटा-सा झूठ बड़े शक की वजह बनता है।

➔मेरा पैसा मेरी मर्जी

जहां दोनों कामकाजी हों, वहां पैसा बहुत मायने रखता है। अपने वेतन को कैसे खर्च करना है और कहां इन्वेस्ट करना है, अक्सर यह विवाद का विषय बन जाता है। पत्नी कोई बड़ा सामान खरीदने में पति की सलाह नहीं लेती या पति बिना पत्नी से पूछे शेयर या अन्य किसी चीज में पैसे लगा देता है तो इससे निश्चित ही झगड़े होते हैं। इससे बचने के लिए पति-पत्नी को मिल-बैठ कर हर महीने का बजट बनाना चाहिए और किसी क्या करना है, इसे तय करना चाहिए। पति-पत्नी के बीच ऐसी समझदारी होनी चाहिए कि किसी मुद्दे पर विचार अलग-अलग हों तो भी एक-दूसरे को समझते हुए निर्णय लें। अगर एक-दूसरे का ध्यान न देते हुए ये सोचेंगे कि मैं चाहे जो करूं मेरी मर्जी, तो बात बनने की बजाय बिगड़ जाएगी।

➔जरूरी हैं ये बातें

आपस में प्यार, मित्रता, सुख-दुख में साथ- पूरी समझबूझ और एक-दूजे के लिए त्याग भावना होनी चाहिए।

गलती होने पर माफी जरूर मांगें, 'सॉरी' कहना बुरी बात नहीं है और न ही माफ करना मुश्किल काम है। माफी मांगने से झगड़ा आगे नहीं बढ़ता, इसलिए माफी मांगने में कंजूसी न करें।

कोई इंसान परफेक्ट नहीं होता है, इसलिए एक-दूसरे में गलतियां न निकालें बल्कि गलतियों को सुधारने का मौका दें। अपने प्यार में इतनी ताकत लाएं कि सामने वाला अपनी कमियों को आपके कहे बिना ही सुधार लें।

एक-दूसरे के लिए हमेशा ईमानदार रहें और कोई भी ऐसी बात न छुपाएं जो बाद में पता चलने पर दिल को ठेस पहुंचाए।

अगर किसी बात को लेकर बहस हो रही है तो उस बात का बतंगड़ न बनाएं बल्कि तुरन्त खत्म करने की कोशिश करें।

झगड़ा होने पर एक-दूसरे को छोड़ देने की धमकी कभी न दें। इससे रिश्ते की डो र कमजोर होती है। आमतौर पर माना जाता है कि शादी के बाद प्रेम और परिपक्व हो जाता है, इसलिए प्रेम को और बढ़ायें, न कि कम होने दें।

जेगिंग्स का छाया जादू

वे दिन लद गए जब लड़कियां फैशनेबल दिखने के लिए जींस का सहारा लिया करती थीं। आजकल जेगिंग्स का जादू यंग गर्ल्स के सिर चढ़ कर बोल रहा है। हो भी क्यों न, फैशन और कंफर्ट का कॉम्बिनेशन है जेगिंग। अगर आप फैशनेबल के साथ कूल और स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो इसे अपने वार्डरोब में जरूर जगह दें। वैसे तो जेगिंग और जींस में ऊपरी तौर पर कोई खास फर्क नजर नहीं आता लेकिन जब आप इसे पहनती हैं तो पता चलता है कि यह स्टाइल के मामले में जींस से दो कदम आगे है। फैशन डिजाइनर कनिका सेठ विस्तार से बता रही हैं दिनोदिन बढ़ती जेगिंग की डिमांड व इसके डिजाइन्स के बारे में

फैशनेबल व आरामदायक

जेगिंग्स जितनी फैशनेबल है, उतनी ही आरामदायक भी है। यह लेगिंग्स की तरह लचीली होती है और जींस की तरह स्मार्ट लुक भी दे ती है यानी एक पंथ दो काज। आप इसे पहनकर आराम से दौड़ लगा सकती हैं या योगा तक कर सकती हैं। यह आपके शरीर से चिपकर शरीर के अनुसार ढल जाती है जिससे आपको कोई भारी कपड़ा पहनने का अहसास नहीं होता, वहीं दूसरी ओर डेनिम की सारी खूबियां तो इसमें हैं ही।

कलरफुल व प्रिंटेड

आजकल मार्केट में रेड, पिंक, ब्लू, यलो, ग्रीन, ब्लैक, व्हाइट सहित कई कलर में जेगिंग्स उपलब्ध हैं। आप अपनी ड्रेस के हिसाब से कलरफुल जेगिंग्स का चयन कर सकती हैं। इन कलर्स में जेगिंग्स बेहद खूबसूरती दिखती हैं और आपको सुपर कूल लुक देती है। वैसे कलरफुल जेगिंग्स के साथ-साथ प्रिंटेड जेगिंग्स भी काफी डिमांड में है। अलग-अलग प्रिंट की जेगिंग्स आजकल मार्केट में काफी दिखाई दे रही है। इन सबमें एनिमल प्रिंट का लड़कियों के बीच खासा क्रेंज है। यह प्रिंट यंग गर्ल्स को काफी पसंद आ रहा है। ब्राइट कलर्स के प्लेन जेगिंग्स को जहां टॉप के अलावा शॉर्ट कुर्तीज के साथ पहना जा सकता है, वहीं प्रिंटेड जेगिंग्स को सैंडो टी-शर्टस, शॉर्ट शर्ट्स और कंट्रास्ट टॉप्स के साथ पहना जा सकता है। अनगिनत वैरायटी के कारण ही जेगिंग्स यंग गर्ल्स की पहली पसंद बनी हुई है।

फैब्रिक

जेगिंग्स ज्यादातर पतले डेनिम फैब्रिक में मिलती है। इस तरह की जेगिंग बेहद कंफर्टेबल है और धोने के बाद जल्द ही सूख भी जाती है। हालांकि आजकल डेनिम के अलावा स्ट्रेचेबल लेदर से बनी जेगिंग्स भी मार्केट में मिल रही है। कॉलेज से लेकर पार्टिज तक इसे कहीं भी पहना जा सकता है।

स्लिम फिटिंग

आजकल स्लिम फिटिंग जेगिंग्स का फैशन है। जेगिंग्स का टाइट फिटिंग पैटर्न स्लिम दिखने में भी मदद करता है। चूंकि यह बेहद फलेग्जिबल होता है, इसलिए टाइट फिट होते हुए भी इसमें आराम मिलता है।

यूं करें कैरी

चूंकि जेगिंग्स, लेगिंग्स और जींस दोनों का कॉम्बिनेशन है, इसलिए यह हर उस टॉप या कुत्रे के साथ फबती है, जिसे लेगिंग्स और जींस के साथ पहना जाता है। इसे आप कैजुअल और फॉर्मल वियर दोनों ही रूपों में कैरी कर सकती हैं। आप चाहें तो लूज फिटिंग टॉप और सैंडल्स के साथ इन्हें पहनें या फिर एक सिंपल ट्यूनिक और चप्पलों के साथ-साथ, हाथों में घड़ी या वुडन बैंगल्स भी शानदार लुक देगा। इसके अलावा यह हाई हील सैंडिल्स या फिर लॉग बूट के साथ भी बढ़िया दिखाई देगी। सर्दी, गर्मी और बारिश हर मौसम के लिए यह एकदम परफेक्ट है।

साइज व कीमत

जहां तक साइज की बात है तो जेगिंग्स में कई सारे ऑप्शंस हैं। आप हेल्दी हैं या स्लिम, हर साइज की जेगिंग मार्केट में उपलब्ध है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि यह आपके फिजिक के अनुसार ही स्ट्रेच हो जाती है। कंफर्टेबल होने के कारण ही इसे कॉलेज गोइंग गर्ल्स से लेकर प्रोफेशनल्स तक अपने वार्डरोब का हिस्सा बना रही हैं। प्लेन जेगिंग्स 700 रुपये से लेकर 1100 रुपये तक और प्रिंटेड जेगिंग्स 1000 रुपये से लेकर 1500 रुपये तक में मार्केट में आसानी से मिल जाएगी।

खाना-खजाना

पनीर कुल्चा

सामग्री: नान के लिए : 2 कप मैदा, 1/2 टीस्पून बेकिंग पाउडर, 1/4 टीस्पून सोडा बायकाबरेनेट, 1/2 टीस्पून नमक, 1 टीस्पून चीनी, 1/2 कप दूध, 1 टेबलस्पून दही, 3 टेबलस्पून तेल, आवश्यकतानुसार पिघला शुद्ध घी। भरावन के लिए: 200 ग्राम पनीर कद्दूकस किया, 2 हरी मिर्च बारीक कटी, 2 टेबलस्पून ताजी धनिया पत्ती (बारीक कटी), नमक स्वादानुसार।

विधि : मैदे में बेकिंग पाउडर, सोडा बायकाबरेनेट और नमक मिलाएं। चीनी, दूध, दही और एक चौथाई कप पानी डाल डाल कर मध्यम आधा गूंथ लें। आधे पर ऊपर से हल्का तेल लगाकर गीले कपड़े में लपेट कर एक घंटे के लिए रख दें। आटे के चार बराबर भाग कर बॉल का आकार दें। बाउल में पनीर, हरी मिर्च, धनिया पत्ती और नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसके भी चार बराबर भाग करें। अवन को 180 डिग्री से./350डिग्री फ./गैस मार्क 4 प्री हीट करें। आटे के गोलों को हल्का मैदा लगे वर्कटॉप पर रखें और हल्के से चपटा करें। पनीर का एक भाग इसके बीच में रखें। किनारों को चिपका कर दबा दें। गीले कपड़े से ढक कर पांच मिनट के लिए अलग करें। प्रत्येक बॉल को हथेली से दबाएं और नौ इंच गोलाई का कुल्चा तैयार करें। कुल्चे को बेकिंग ट्रे पर रखें और प्रीहीटेड अवन में 15 मिनट तक बेक करें। इसे आप तवे पर दोनों ओर पकने तक पका सकती हैं। विकल्प के रूप में कुल्चे को मोटे क्लाथ पैड पर रख कर गर्म तंदूर की दीवार पर भी दबा कर तीन से चार मिनट तक पका सकती हैं। आंच से निकालकर घी लगाकर गर्मागर्म परोसें।